श्री अजीत जोगी : (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदया, जो हमारे सम्मानित सदस्य ने बात रखी है, उस से अपने आप को संलग्न करते हुए मैं केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि इस संबंध में बहुत पहले हमारे प्रथम प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने एक बात कही थी जिस को हमें हमेशा याद रखना चाहिए विशेषकर हम हिन्दी भाषी लोगों को। उन्होंने अहिन्दी भाषी लोगों को आश्वासन देते हुए यह कहा था कि जब तक आप लोग खुद तैयार नहीं हो जाएंगे, हिन्दी आप के ऊपर लादी नहीं जाएगी। हम लोगों को भी कुछ ऐसा नहीं करना चाहिए जिस से हमारे दक्षिण के भाई महसूस करें कि उन के ऊपर हिन्दी लादी जा रही है। पर ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि राष्ट्र की एक भाषा हो, एसी जुबान हो जो हम सब को एक ही सूत्र में बांधे। वह हिन्दी या उस से बेहतर हिन्दुस्तानी भी हो सकती है। उस दिशा में प्रयास होने चाहिए पर दोनों तरफ से अतिवादी नहीं होना चाहिए। हमारे दक्षिण के भाई यह कोशिश न करें कि जब हिन्दी की बात आए तो उत्तेजित हो जाएं और हम उत्तर भारत के लोगों को भी इस बात को मानना चाहिए कि हम ऐसा काम न करें जिस से उन को लगे कि उन के ऊपर हिन्दी लादी जा रही है। लेकिन एक हिन्दुस्तानी जुबान जो क्लिष्ट हिन्दी नहीं, जिस को देश के ज्यादातर लोग बोलते, समझते हों, वह हम को एक सूत्र में बांधे, उसके लिए बात हो सकती है।

Re. Deteriorating Health Situation in Bihar due to Cholera and Diarrhoea

डा. जगन्नाथ मिश्र (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैं एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण विषय पर सदन का और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पिछले कुछ सप्ताहों में एक हजार लोग मर चुके हैं हैजा और डायरिया से। राज्य सरकार के पास उन के इलाज के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं जिस से बिहार में सरकारी अस्पतालों में 10 हजार रोगी इस रोग से ग्रस्त हैं और राज्य सरकार की ओर से पूर्ण व्यवस्था नहीं की जा रही है। अकेल पटना में 35 लोग मर गए, लाटी में 50 लोग मर गए, कठवा में 35 आदमी मर गए।...(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Rameshwar Thakur is the Minister of Parliamentary Affairs. He should make a note of it and inform the Government. Whatever you want to discuss, you may do it later.

डा. जगन्नाथ मिश्र : इस लिए महोदया, मैं आप से निवेदन करूंगा कि आप भारत सरकार को निर्देश दीजिए क्योंकि राज्य सरकार कहती है कि हमारे पास साधन नहीं है, दवा नहीं है। क्या बिहार के लोगों को ऐसे ही मरने के लिए छोड़ दिया जाए? क्या भारत सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती है, क्या स्वास्थ्य मंत्रालय को इस में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए? पिछले 4 साल में एक लाख से ज्यादा लोग हैजा और कालाजार से मारे जा चुके हैं। राज्य सरकार पूरी तरह से विफल रही है इस रोग को रोकथाम करने में। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से इस पर कार्यवाही की गई और बीमारी पर रोक लगाई गई। इस समय बिहार हैजे और डायरिया से प्रभावित हो गया है। हजारों लोग प्रभावित हैं। उनमें बच्चे और महिलाएं बहुत अधिक हैं। इसलिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप भारत सरकार को निर्देश दीजिए कि भारत सरकार इसकी जानकारी हासिल करे। यदि राज्य सरकार के पास साधन नहीं हैं तो भारत सरकार इस विषय को बहुत सख्ती से ले ताकि बिहार के लोगों का तत्काल इलाज किया जा सके।

उपसभापति : ठाकुर साहब आप नोट कर लीजिए।...

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार) : महोदया, मेरा सरकार से आग्रह है कि बिहार में तत्काल एक सेंट्रल टीम भेजी जाए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से, ताकि स्थिति पर काबू पाया जा सके।

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : महोदया, मैं स्वास्थ्य मंत्री जी को इस के संबंध में पूछित करूंगा । यह बहुत ही मानवीय प्रश्न है । . . . (व्यवधान)

उप-सभापति अहलूवालिया जी, आप बिहार को रिप्रजेंट करते हैं यह कैसे पता लगेगा ? आप इस पर कुछ कहना चाहते हैं ?

श्री सुरेन्द्र जीत सिंह अहलूवालिया (बिहार) : महोदया, डा० जगन्नाथ मिश्र जी ने बिहार के बारे में कहा । वैसे तो पूरे बिहार का ही स्वास्थ्य खराब है, पूरे बिहार के स्वास्थ्य को ही ठीक करने की जरूरत है। लेकिन इस बीच में एक प्रकोप के रूप में अभी तीन दिन में गिरीडीह में डेढ़ सौ लोग मर गए, हैजे से और डायरिया से, जिस के कारण पूरे जिले के स्कूल और दफ्तर बंद कर दिए गए है । स्कूल और दफ्तर बन्द कर देने से फायदा क्या होगा। वहां सबसे जरूरी चीज दवाओं की, मेडिकल रिलीफ की है । मैं बिहार की आर्थिक अवस्था को भी समझता हूं, लालू प्रसाद यादव तो नहीं पहुंचाएंगे । क्योंकि उनके पास में मशीनरी उपलब्ध नहीं है । पूरा खजाना दिवालिया हो चुका है । मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि केन्द्रीय सरकार की एक टीम, और वालिंटर आर्गेनाइजेशंस से भी अपील करता हूं कि तुरन्त बिहार में पहुंच कर वहां इस तरह का इलाज करने की व्यवस्था करें । धन्यवाद

SPECIAL MENTIONS

Need for Introduction of Superfast Inter-city Train from Srinagar to Chandigarh and to New Delhi

श्री वीरेन्द्र कटारिया (पंजाब) : मैडम डिप्टी चेयरमैन साहिबा, मैं आपका शुक्रगुजार हूं । अबोहर और फाजिल्का के इलाके हरियाणा और पंजाब के दरमियान एक बोन आफ कंटेन्शन बने हुए हैं, आज से नहीं अनेकों सालों से । यह बहुत खुशहाल इलाका है लेकिन इस इलाके की बदकिस्मती यह है कि न तो अबोहर और न फाजिल्का और न इसके साथ जुड़े हुए श्रीगंगा नगर, जो राजस्थान का सबसे खुशहाल इलाका है यहां से पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ जाने के लिए कोई सीधी रेलगाड़ी नहीं है । अजीब मजाक है कि उस इलाके को लेने के लिए दोनों स्टेट लड़ रहे हैं लेकिन वहां के लोगों की सुविधा के लिए, वे अपनी राजधानी जा सकें, कोई ट्रेन का प्रबन्ध नहीं करा रहे हैं । मैं आप से यह अर्ज करना चाहता हूं कि चंडीगढ़ में हरियाणा और पंजाब की दारुल खिलाफा दोनों स्टेट की हाई कोर्ट भी है । इस इलाके से फाजिल्का और अबोहर और श्रीगंगानगर के इलाके के साउथ पंजाब के इलाके के लोगों के लिए कोई मौड आफ ट्रांसपोर्ट एक्सप्ट बस रूट के कोई साधन चंडीगढ़ पहुंचने का नहीं है । हजारों लिटिगेंट्स जो कि हाई कोर्ट में जाकर अपने मुकदमात के लिए पैरवी करना चाहते हैं उन लोगों को बहुत दिक्कत है । उन्हें बहुत सफर करना पड़ता है । मैं कहना यह चाहता हूं कि यह इलाका पंजाब और हरियाणा का सबसे ज्यादा खुशहाल इलाका तो है ही लेकिन सबसे ज्यादा रेवेन्यू सरकार को देने वाला इलाका भी है । सबसे ज्यादा गंदम और अमेरिकन कपास इसी इलाके में पैदा होती है और पंजाब और हरियाणा के इसी इलाके में कैलिफोर्निया के अंगूर और कीनू पैदा होते हैं । इसके अलावा हिन्दुस्तान की फौजों का इलाका है । यह इलाका सबसे ज्यादा सिपाही भी देता है । मैं इस स्पेशल मेंशन के जरिए गवर्नमेंट से दर्खास्त करना चाहता हूं कि बहुत देर हो गई है, 50 साल आजादी को होने जा रहे हैं यहां से अपनी राजधानी चंडीगढ़ जाने के लिए कोई ट्रेन नहीं है । लोगों को घिसी पिटी पुरानी बसों में सफर करना पड़ता है जो बहुत एक्सपेन्सिव है, कम्फरटेबल है और टायरिंग भी है । जाफर शरीफ रेल मंत्री जी की खिदमत में मैंने अर्ज की थी कि हिन्दुस्तान की राजधानी दिल्ली आने के लिए कोई फास्ट ट्रेन नहीं थी